UGC NET PAPER 3 JUNE 26, 2005 SHIFT 1 POLITICAL SCIENCE QUESTION PAPER

J—0205

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

NOTE: This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

When we speak of power in the context of this book, we have in mind not man's power over nature, or over an artistic medium, such as language, speech, sound, or color, or over the means of production or consumption, or over himself in the sense of self-control. When we speak of power, we mean man's control over the minds and actions of other men. By political power we refer to the mutual relations of control among the holders of public authority and between the latter and the people at large.

Political power, however, must be distinguished from force in the sense of the actual exercise of physical violence. The threat of physical violence in the form of police action, imprisonment, capital punishment, or war is an instrinsic element of politics. When violence becomes an actuality, it signifies the abdication of political power in favour of military or pseudo-military power. In international politics in particular, armed strength as a threat or a potentiality is the most important material factor making for the political power of a nation. If it becomes an actuality in war, it signifies the substitution of military for political power. The actual exercise of physical violence substitutes for the psychological relation between two minds, which is of the essence of political power, the physical relation between two bodies, one of which is strong enough to dominate the other's movements. It is for this reason that in the exercise of physical violence the psychological element of the political relationship is lost, and that we must distinguish between military and political power.

Political power is a psychological relation between those who exercise it and those over whom it is exercised. It gives the former control over certain actions of the latter through the influence which the former exert over the latter's minds. That influence derives from three sources : the expectation of benefits, the fear of disadvantages, the respect or love for men or institutions. It may be exerted through orders, threats, persuasion, the authority or charisma of a man or of an office, or a combination of any of these.

While it is generally recognized that the interplay of these factors, in ever changing combinations, forms the basis of all domestic politics, the importance of these factors for international politics is less obvious, but no less real. There has been a tendency to reduce political power to the actual application of force or at least to equate it with successful threats of force and with persuasion, to the neglect of charisma. That neglect, as we shall see, accounts in good measure for the neglect of prestige as an independent element in international politics. Yet without taking into account the charisma of a man, such as Napoleon or Hitler, or of an institution , such as the Soviet Government or the United Nations, evoking trust and love through which the wills of men submit themselves to the will of such a man or institution, it is impossible to understand certain phenomena of international politics which have been particularly prominent in modern times.

Read the above passage and answer the following questions :

इस पुस्तक के परिप्रेक्ष्य में जब हम शक्ति की बात करते हैं तो हमारे मन में मानव की प्रकृति पर अथवा उसके कलात्मक माध्यम यथा भाषा, वाणी, ध्वनि अथवा रंग पर शक्ति के भाव नहीं उभरते और न ही उत्पादन अथवा उपभोग अथवा निज पर स्व-नियंत्रण इसके अन्तर्गत आते हैं। जब हम शक्ति की चर्चा करते हैं तो इससे हमारा अभिप्राय है : किसी मानव का अन्य मानवों की क्रियाओं और मस्तिष्क पर नियन्त्रण। राजनीतिक शक्ति का अर्थ है – सत्ताधारी एवं शासित लोगों में नियन्त्रण के पारस्परिक सम्बन्ध। फिर भी राजनीतिक शक्ति और बल, जिसमें शारीरिक हिंसा का वास्तविक प्रयोग सम्मिलित है ये भेद करना आवश्यक है। पुलिस कारवाई, बंदी बनाना, प्राणदण्ड देना शरीर की शारीरिक हिंसा की धमकियां, अथवा युद्ध राजनीति के निहित तत्त्व रहे हैं। जब हिंसा यथार्थ रूप धारण कर लेती है तब इसका अर्थ होता है : राजनीतिक शक्ति सेना अथवा छद्म सेना के हाथ में चली गई है। अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में विशेषकर सशस्त्र बल का भय अथवा संभावित भय किसी राष्ट्र की राजनीतिक शक्ति के निर्माण में सबसे महत्त्वपूर्ण एवं ठोस तत्त्व हैं यदि यह भय युद्ध के रूप में यथार्थ हो जाता है तो इसका भाव होता है कि राजनीतिक शक्ति सेना के हाथों में चली गई है। शारीरिक हिंसा का वास्तविक प्रयोग दो मनों के बीच मनोवैज्ञानिक सम्बन्धों, जो राजनीतिक शक्ति का सार है, और दो शरीरों, जिसमें एक शरीर दूसरे की क्रियाओं पर प्रबल (भारी) पडता है, का स्थान ले लेता है। यही कारण है कि शारीरिक हिंसा के प्रयोग से राजनीतिक सम्बन्धों के मनोवैज्ञानिक तत्त्व की समाप्ति हो जाती है। इसलिए हमें सैन्य एवं राजनीतिक शक्ति में भेद करना होगा। राजनीतिक शक्ति सत्ताधारी एवं शासित लोगों के बीच में एक मनोवैज्ञानिक सम्बन्ध है। इससे सत्ताधारी शासित लोगों की कुछ निश्चित क्रियाओं को नियंत्रित करता है। यह नियंत्रण सत्ताधारी को शासित लोगों

के मन पर प्रभाव डालने से प्राप्त होता है। इस प्रभाव के तीन स्रोत हैं : लाभों की अपेक्षा, हानियों का भय और व्यक्तियों अथवा संगठनों के प्रति सम्मान अथवा आस्था। इन प्रभावों को आदेशों, धमकियों, प्रेरणाओं, अधिकारों अथवा व्यक्ति अथवा पद के करिश्में या इन सभी मिले-जुले प्रभावों से प्राप्त करने की कोशिश की जाती है। जबकी सामान्यतया यह माना जाता है कि इन तत्त्वों की अन्तर-क्रिया जो इस समुच्चय में प्रतिपल परिवर्तित होती है, तमाम घरेलू राजनीति का आधार है ; अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के लिए इन तत्त्वों का महत्त्व कम स्पष्ट है, मगर यह कम वास्तविक नहीं है। राजनीतिक शक्ति को हिंसा के वास्तविक प्रयोग के रूप में देखने की प्रवृत्ति प्रचलित है। कम से कम राजनीतिक शक्ति को हिंसा की सफल धमकी और प्रेरणा, जिसमें करिश्मा तत्त्व की अनदेखी की जाती है, के समकक्ष की प्रवृत्ति भी मिलती है। करिश्मा तत्त्व की अनदेखी, जैसा कि हम देखेंगे, प्रतिष्ठा को खोना है जो अन्तरराष्ट्रीय राजनीति का एक स्वतन्त्र तत्त्व है। फिर भी किसी व्यक्ति के करिश्में यथा नेपोलियन अथवा हिटलर अथवा किसी संस्था यथा सोवियत सरकार अथवा संयुक्त राष्ट्र, जो प्यार एवं विश्वास को जगाते हैं और ऐसा करने से ऐसे व्यक्तियों अथवा संस्थाओं की इच्छा के आगे अपनी सामूहिक इच्छाओं को समर्पित कर देते हैं। अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में कई संदर्भों को जो आधुनिक समय में महत्त्वपूर्ण हैं, को समझना संभव नहीं है।

उपरोक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. What is political power ?
राजनीतिक शक्ति क्या है ?

2. What is the difference between political power and force ?

राजनीतिक शक्ति और बल में क्या अन्तर है ?

3. When is the psychological element in power lost ?

शक्ति में मनोवैज्ञानिक तत्त्व की समाप्ति कब होती है ?

4. How is influence derived ?

प्रभाव ग्रहण किस प्रकार होता है ?

5. What is the role of charisma in international politics ?

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में करिश्मा की क्या भूमिका है ?

SECTION - II

खण्ड – II

NOTE: This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 Marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x15=75 अंक)

6. What do you understand by the term 'ideology' ?

'विचार धारा' शब्द से आप क्या समझते है ?

7. What is 'surplus value' ?

'अतिरिक्त मूल्य' क्या है ?

8. Differentiate between Humanism and Radical Humanism.

मानवतावाद तथा उग्र मानवतावाद में अन्तर कीजिये।

9. Examine Lucian Pye's theory of political development.
ल्यूसिन पाई के राजनीतिक विकास के सिद्धान्त का परीक्षण करें।

10. What, according to Almond and Powell are the functions of a political party ?
आमण्ड एवं पावैल के अनुसार राजनीतिक दल के क्या कार्य हैं ?

11. How did Huntington distinguish between political development and modernisation ?

हण्टिंगटन ने राजनीतिक विकास एवं आधुनिकीकरण में क्या अन्तर बताया है ?

12. What is one party dominance ?

एक दलीय प्रभुत्व क्या है ?

prepp Your Personal Exam Guide

13. What is grassroots democracy ?

तृणमूल लोकतंत्र क्या है ?

14. What is secularism ?

धर्म निरपेक्षता क्या है ?

15. What do you mean by 'Scientific Management' ?

वैज्ञानिक प्रबंधन से आपका क्या आशय है ?

16. What do you mean by Legal - rational authority ?

वैधानिक-तार्किक प्राधिकार (सत्ता) से आपका क्या आशय है ?

17. What is meant by Liberalization ?

उदारीकरण से आपका क्या अभिप्राय है ?

18. What do you understand by Domino theory ?

डोमिनो सिद्धान्त से आपका क्या आशय है ?

19. What is neo-cold war ?

नव-शीत युद्ध क्या है ?

20. Examine the relevance of deterrance in nuclear age.

आणविक युग में अवरोध की प्रासंगिकता का परीक्षण करें ?

SECTION - III

खण्ड – III

NOTE : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 Marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Critically discuss Rawls' theory of justice.

रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

22. What, according to Almond, is the input function of a political system ?

आमण्ड के अनुसार राजनीति व्यवस्था का आगत (इनपुट) कार्य क्या है ?

23. Discuss the working of Parliamentary democracy in India.

भारत में संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली की विवेचना कीजिए।

24. Briefly account for the rise of New Public Administration.

नव-लोक प्रशासन के अभ्युदय के कारण संक्षिप्त में बताइये।

25. What fundamental shifts do we notice in Sino - Indian relations in quite recent times ?

हाल ही में भारत-चीन सम्बन्धों में किस प्रकार के आधारभूत बदलाव दिखाई पड़ते हैं ?

prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV

खण्ड – IV

NOTE: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 Marks)

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write a note on Gandhi's concept of 'Satyagraha' as a philosophy of life and a strategy of national movement.

जीवन के दर्शन तथा राष्ट्रीय आन्दोलन की एक विधा के रूप में गाँधी की सत्याग्रह की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

'Cooperative Federation' has taken deep roots in Indian political system. Discuss.

''भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में सहकारी संघवाद की जड़े गहरी हो गई हैं''। विवेचना करें।

OR / अथवा

Write an essay on working of Panchayati-Raj institutions in India.

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर एक निबंध लिखिये।

OR / अथवा

Examine the changing contours of Indian Foreign policy in the post-cold-war period.

शीतयुद्धोत्तर काल में भारत की विदेश नीति के बदलते स्वरूप का परीक्षण कीजिए।

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....